नवंबर 2024

टेक की बात

IIT KANPUR

INCUBATION AND INNOVATION IIT KANPUR

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

अंक 3

संस्करण - 11

डिफेंस स्टार्टअप शोकेस: राष्ट्र की सुरक्षा के लिए नवाचार

गुरु
मंत्र

तरूण भार्गव

रणनीति, योजना, वित्तपोषण, शासन, जोखिम, नकदी
प्रवाह प्रबंधन

एक सुदृढ़ संगठन का निर्माण

यधपि "कंपनी," "व्यापार," और "संगठन" जैसे शब्द प्रायः एक-दूसरे के पर्यायवाची समझे जाते हैं, किन्तु इनमें निहित भावार्थ भिन्न है। कंपनी एक विधि संरचना है जो व्यापारिक गतिविधियों के संपादन हेतु सृजित होती है। व्यवसाय उन क्रियाकलापों का प्रतिबिम्ब है, जो व्यापारिक लक्ष्यों की सिद्धि हेतु संचालित होते है। वहीं 'संगठन' उस समग्रता का प्रतीक है , जो इन क्रियाकलापों को संचालित करने हेतु आवश्यक अवयवों विशेषतः जनशक्ति और प्रक्रियाओं को समन्वित करती है।

एक मजबूत संगठन के प्रमुख तत्वः

- ☑ **लोग और संस्कृतिः** एक साझा उद्देश्य, सुदृढ़ मूल्य और एक सकारात्मक संस्कृति किसी संगठित और प्रेरित कार्यबल को निर्मित करने की आधारशीला होते हैं।
- ☑ **संरचना और भूमिकाएँ:** एक स्पष्ट संगठनात्मक रूपरेखा, परिभाषित भूमिकाएँ और रिपोर्टिंग संबंध कुशल संचालन के लिए अनिवार्य हैं।
- ☑ **प्रक्रियाएँ और प्रणालियाँ:** सुविस्तृत प्रक्रियाएँ और सशक्त सूचना प्रणालियों को सहज बनाती हैं और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करती हैं।
- ☑ **प्रतिभा प्रबंधनः** सर्वोत्तम प्रतिभाओं की भर्ती, उनके विकास और उन्हें बनाए रखना दीर्घकालिक संगठनात्मक सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एक सफल संगठन वह होता है जो गतिशील और अनुकूलनीय हो, जो बदलती व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को परिवर्तित करने की क्षमता रखता हो। सशक्त नेतृत्व संगठन को मार्गदर्शन करने और इसके जनसमूह को प्रेरित करने के लिए आवश्यक है। इन प्रमुख तत्वों को प्राथमिकता देकर, व्यवसाय अपनी वृद्धि और स्थिरता के लिए एक ठोस आधार तैयार कर सकते हैं।

विषय - सूची

मासिक समयरेखा

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 01

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 02

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 03

नया पॉडकास्ट: इनोवेशन के अग्रदूत

उन दूरदर्शी मस्तिष्कों का अन्वेषण करें जिन्होंने बड़े सपने देखने का साहस किया और भारत के जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 04

आगामी कार्यक्रम/कार्यशालाएं /अनुदान

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में निर्धारित आगामी अनुदानों, कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का अन्वेषण करें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 05

2nd नवंबर 24

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना है। सिडबी एसआईआईसी से जुड़े रक्षा प्रौद्योगिकी के स्टार्टअप्स के लिए एक विशेष कोष स्थापित करेगा। इस सहयोग का उद्देश्य भारत के रक्षा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने और इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

2nd नवंबर 24

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय नवाचार फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी-आधारित स्टार्टअप्स के संवर्धन में सहयोग को बढ़ावा देना है। यह साझेदारी प्रामाणिक स्टार्टअप्स को इंक्यूबेट करने और उद्यमियों को रणनीतिक समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करने का लक्ष्य रखती है।

8th नवंबर 24

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने ग्रामश्री- महिला सशक्तिकरण के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य हाशिये पर स्थित महिलाओं और जमीनी स्तर पर कार्यरत संगठनों के बीच नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना है। इसका मुख्य उद्देश्य रचनात्मकता और नेतृत्व कौशल को प्रोत्साहित करना, व्यवसाय विकास में सहायक बनना, टियर 2 और टियर 3 शहरों में स्टार्टअप के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने और कौशल वृद्धि की दिशा में ठोस कदम उठाना है।

10th नवंबर 24

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर ने ऑपरेशन द्रोणागिरी के तहत एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जो राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति(National Geospatial Policy) के अनुरूप महत्वपूर्ण चुनौतियों से निपटने के लिए भू-स्थानिक डेटा का प्रभावी उपयोग करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। यह सहयोग उन्नत भू-स्थानिक पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करेगा, जिससे भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व प्राप्त होगा और राष्ट्रीय विकास को सुदृढ़ किया जाएगा।

कार्यक्रम
की झलकियां

STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE
IIT KANPUR

19 अक्टूबर को, एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर ने सीएसजेएमयू, कानपुर में डीएसटी-निधि सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के अंतर्गत एक भव्य और प्रभावशाली जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया। यह विशिष्ट आयोजन स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज एवं जैव प्रौद्योगिकी तथा सीएसजेएमयू नवाचार फाउंडेशन के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख विदुषी वक्ता डॉ. शिल्पा कैस्था, प्रो. वर्षा गुप्ता और डॉ. दीप्ति चुग ने अपने गहन वक्तव्यों द्वारा आईआईटी कानपुर के मेडटेक तंत्र का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने स्टार्टअप्स के लिए उपलब्ध विशिष्ट सुविधाओं और वित्तीय सहायता के उनके आयामों का सारगर्भित विवेचन किया। यह आयोजन छात्रों के भीतर मेडटेक क्षेत्र में सृजनात्मक उद्यमिता के प्रति नवप्रेरणा और अटूट उत्साह का संचार करने में पूर्णतः सफल रहा।

और पढ़ें

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर ने 2 नवंबर को अपने 65वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक भव्य रक्षा स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी) द्वारा आयोजित किया गया। यह विशिष्ट अवसर पर 23 स्टार्टअप्स ने अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकी में अपने अभूतपूर्व नवाचारों का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने प्रदर्शनी का मनोहर अवलोकन तथा स्टार्टअप संस्थापकों संग संवाद किया और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उनके अनुकरणीय योगदान की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। डॉ. समीर कामत, अध्यक्ष डीआरडीओ ने छह परियोजनाओं हेतु स्वीकृति पत्रों की घोषणा कर इस आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। साथ ही आईडीईएक्स-डीआईओ" (IDEX _DIO) दल द्वारा डिस्क 12 और अदिति 2.0 के लिए आयोजित जनजागरण सत्र ने रक्षा क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु एक नवीन दिशा और शक्ति प्रदान की, जिससे सृजनात्मकता और प्रौद्योगिकी के अभ्युदय को अभूतपूर्व गति प्राप्त हुई।

और पढ़ें

7 नवंबर को, कानपुर के शीर्ष स्कूलों के 30 विद्यार्थियों ने आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर (एसआईआईसी) का दौरा कर प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. सी.वी. रमन की जयंती पर उन्हें सम्मानित किया। इस औपचारिक भ्रमण का संचालन एसआईआईसी (SIIC) के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया, जिन्होंने विद्यार्थियों को स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, वीयू-डायनेमिक्स की फ्लाइट लैब और इमेजिनियरिंग लैब का गूढ़ अवलोकन कराया, जहाँ सैद्धांतिक भौतिकी जटिलताओं और व्यावहारिक नवाचार का अद्वितीय संगम देखने को मिला। इस यात्रा का उद्देश्य युवा मस्तिष्कों में विज्ञान और उद्यमिता के प्रति एक गहरी आस्था और प्रेरणा का संचार करना था ,ताकि वे भविष्य में नवोन्मेष के क्षेत्र में ऊचाइयां छुए।

और पढ़ें

सिटी सोशल इनोवेशन लैब 2.0 ने 11 नवंबर को आईआईटी कानपुर के नोएडा आउटरीच सेंटर में 3 दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें क्लीनटेक और एग्रीटेक में 75 अग्रणी स्टार्टअप्स शामिल हुए। प्रमुख सत्रों में तकनीकी सत्यापन और स्थिरता प्रमाणपत्रों पर श्री विकास मिश्रा (एवरग्रीन इनोवेशन प्लेटफॉर्म) और डॉ. चारु जैन (टीयूवी राइनलैंड ग्रुप) द्वारा महत्वपूर्ण विचार साझा किए गए। उल्लेखनीय वक्ताओं जैसे श्री अमरेंद्र सिंह (डी-हाट), श्री अमित शुक्ला (एम्पावर पंचायत), और श्रीमती सुकन्या दीक्षित (एसआरआई-टीबीआई) ने सहनीयता, विकास और गहरी तकनीकी सत्यापन पर दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। सुश्री रश्मि पाठक (लेट्सवेंचर) ने पिचिंग रणनीतियों पर एक सत्र का संचालन किया, जो श्री हेमेन्द्र माथुर (थिंकएग) और भारत इनोवेशन फंड के साथ एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ संपन्न हुआ।

और पढ़ें

एलसीबी फर्टिलाइजर्स

ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर)- भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (आईआईपीआर), कानपुर के साथ साझेदारी की है, जिसका उद्देश्य सतत कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाना हैं। यह सहयोग जैव अपघटकों, जैव-उर्वरक और नैनो-प्रौद्योगिकी पर केंद्रित है। जो जैविक अपशिष्टों के विघटन फसल अवशेषों के प्रबंधन और शाकनाशियों (herbicides) की कमी को दूर करने हेतु प्रयासरत हैं। भारत के "कचरा से धन" संकल्पना के अनुरूप, इसका उद्देश्य सूक्ष्म जीवी समूहों (माइक्रोबियल कंसोर्टिया), हरित-संश्लेषित नैनोकणों और जैविक पॉलिमर का उपयोग करके, फसल अवशेषों को बहुमूल्य संसाधनों में परिवर्तित करके पर्यावरण-अनुकूल विधियों को बढ़ावा देना है।

और पढ़ें

कफ़ा कुव्वा इनोवेशन

ने स्टार्टअप एक्सपो 2024 में "सर्वश्रेष्ठ उत्पाद एवं स्टाल" पुरस्कार प्राप्त किया, जिसे नाबार्ड - राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा प्रायोजित किया गया। यह पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विनिर्माण स्टार्टअप हरित प्रौद्योगिकी में अग्रणी हैं, जो प्रयुक्त कॉफी बीन्स को सतत उत्पादों में रूपांतरित कर पर्यावरणीय स्थिरता में नवाचार को बढ़ावा दे रहा है।

और पढ़ें

सर्वश्रेष्ठ झांकी डिजाइन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) ने स्वतंत्रता दिवस उत्सव के अंतर्गत कानपुर नगर निगम और अमर उजाला द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ झांकी डिजाइन के लिए द्वितीय पुरस्कार अर्जित किया। यह विजयी झांकी संस्थान के एसआईआईसी (SIIC) द्वारा सृजित की गई थी, जिसमें आईआईटी कानपुर के इनक्यूबेशन केंद्र से उद्भूत चार स्टार्टअप्स - लेनेक टेक्नोलॉजीज, मेदांत्रिक, एक्सटेरा रोबोटिक्स, एंड्यूरएयर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड की अभिनव और अनुपम तकनीकों का अद्वितीय प्रदर्शन किया गया।

और पढ़ें

साइबर सुरक्षा स्टार्टअप

स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर, आईआईटी कानपुर और सी3आई हब ने साइबर सुरक्षा ने इमर्जिंग ट्रेंड्स (उभरते प्रवृतियों) पर सम्मेलन (CCETC2024) के अंतर्गत छह अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा स्टार्टअप का शुभारम्भ किया गया। ये स्टार्टअप- सिक्योरडीएपी, होम्मी, लेवल 7 इन्फोसेक प्राइवेट लिमिटेड, साइबर चक्र टेक्नोलॉजी, अंश टेक लैब्स और एक्सआईओटीज़ (xIoTz) प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी नवीनतन और सृजनात्मक तकनिकी समाधान प्रस्तुत कि। ये समाधान ब्लॉकचेन सुरक्षा, स्मार्ट होम संरक्षण, सुरक्षा खतरे की जानकारी, फोरेंसिक डेटा अधिग्रहण, खुली स्रोत ख़ुफ़िया जानकारी और विस्तारित परिचालन क्षेत्रों में क्रांतिकारी प्रगति को प्रदर्शित करते हैं।

और पढ़ें

एपीरो एनर्जी

को गांधीनगर में आयोजित "विकसित भारत 2047: ऊर्जावान गुजरात" कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक उभरते और सशक्त योगदानकर्ता के रूप में मान्यता दी। इस गौरवमयी आयोजन में कई प्रतिष्ठित हस्तियों सहित श्री कनुभाई देसाई,वित्त, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स मंत्री और श्री एस.जे. हैदर, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स विभाग के अतिरिक्त सचिव शामिल थे।

और पढ़ें

स्कैनक्स्ट साइंटफिक टेक्नोलॉजीज

ने प्रो. जयंत कुमार सिंह और आईआईटी कानपुर के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग की उनकी टीम द्वारा विकसित एक अभिनव "मृदा पोषक तत्व संवेदी उपकरण" को लाइसेंस प्राप्त किया। यह पोर्टेबल, स्मार्टफोन-संगत यंत्र रासायनिक पदार्थों का उपयोग किए बिना वास्तविक समय में मृदा के विभिन्न गुणकों का विश्लेषण कर डेटा को क्लाउड सर्वर पर संग्रहीत करता है। यह यंत्र एकल चार्ज करने पर 100 परीक्षणों तक कार्य करने में सक्षम है।

और पढ़ें

इनोवेशन के अग्रदूत

श्रीकांत शास्त्री

इस माह, हम टेकव्यू: "पायनियर्स ऑफ इनोवेशन" नामक एक नवीन पॉडकास्ट श्रृंखला का आरम्भ कर रहे हैं, जो उन विलक्षण प्रणेता व्यक्तित्वों के चिंतन प्रवाह में प्रवेश करती है, जिन्होंने भारत के नवाचार तंत्र की आधारशिला निर्मित की। उस काल खंड में, जब देश स्टार्टअप संस्कृति मात्र एक स्वप्न था, इन दूरदर्शी विभूतियों ने साहसपूर्वक महान स्वप्न देखे और सजीव, सशक्त नवाचार संरचना का सृजन किया, जो आज प्रगति की ऊर्ध्वमुखी यात्रा कर रही है।

हमारे उद्घटनात्मक प्रकरण में, हमने श्री श्रीकांत शास्त्री जी का अभिनन्दन किया, जो एक दक्ष उद्यमी,मार्गदर्शक एवं क्रेयॉन डेटा के सह-संस्थापक है। अपने तीन दशकों से अधिक के अनुपम अनुभव के साथ , जिसमें उन्होंने स्टार्टअप्स का निर्माण किया और उन्हें यूरोपीय दिग्गज कंपनियों को विक्रय किया, श्री शास्त्री ने अपनी यात्रा और प्रमुख अंतर्दृष्टियां साझा की। उनके साथ आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर अमिताभ बंदोपाध्याय, वेंटिलेटर प्रोजेक्ट के सह-लेखक, ने भारत में उद्यमशीलता के संघर्षों और विजयगाथाओं पर प्रकाश डाला। इस संवाद की मुख्य झलकियां नीचे पढ़े।

प्रो. अमिताभ बंद्योपाध्याय (एबी): श्रीकांत, आप भारत के नवाचार तंत्र में एक प्रखर स्वर रहे हैं, और चलो स्टार्टअप जैसी पहलों के माध्यम से स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करते रहे है। आपकी ध्येय-यात्रा को क्या प्रेरित करता है, और स्टार्टअप्सको बढ़ावा देना आपके लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है?

श्रीकांत शास्त्री (एसएस): मैंने उद्यमशीलता के प्रचार का बीड़ा इसलिए उठाया क्योंकि मेरा विश्वास है कि स्टार्टअप्स भारत के आर्थिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। स्टार्टअप न केवल नवीन उत्पादों और सेवाओं को बाजार में लाते हैं बल्कि व्यापक स्तर पर रोजगार भी पैदा करते हैं। 2017 में, मैंने विभिन्न क्षेत्रों में प्रति करोड़ लगाई गई पूँजी पर रोज़गार सृजन की दक्षता का विश्लेषण किया। बड़े विनिर्माण संगठनो में प्रति करोड़ एक नौकरी से भी कम रोजग़ार उत्पन्न होते है, जबकि निजी क्षेत्र की सेवा कंपनियों ने 4 से 10 रोज़गार सृजित किए। परन्तु, स्टार्टअप्स ने अक्सर 10 से अधिक और कुछ मामलों में 30-40 रोजगार प्रति करोड़ तक का आकड़ा छुआ। यह विश्लेषण ने यह स्पष्ट किया कि भारत की रोजग़ार सृजन समस्या को हल करने में स्टार्टअप्स की अपार क्षमता है। इसने मुझे अपने समय व अनुभव को उद्यमशीलता के बढ़ावा देने के प्रति समर्पित करने लिए प्रेरित किया।

एबी: आपको क्यों विश्वास हैं कि भारत एक वैश्विक स्टार्टअप केंद्र बनने की क्षमता रखता है, और स्टार्टअप्स किस प्रकार साधारण समाधान और उन्नत प्रौद्योगिकी दोनों का उपयोग करके इस चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं?

सएसः भारत में वैश्विक स्टार्टअप केंद्र बनने की अपार संभावनाएं हैं क्योंकि यहाँ प्रत्येक समस्या नवाचार के लिए एक अवसर है। चाहे वह खराब वायु गुणवत्ता हो, जर्जर सड़कें हों, या बुनियादी सुविधाओं की अनुपलब्धता हो, ये चुनौतियाँ विविध समाधानों को विकसित करने कि प्रेरणा प्रदान करती हैं।

उदाहरण के लिए, स्टार्टअप्स जैसे पीबडी ने साधारण नवाचार द्वारा दैनिक जीवन की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया हैं—एक उपयोग के बाद त्याज्य गते (डिस्पोजेबल कार्डबोर्ड) उपकरण जो महिलाओं को खड़े होकर मूत्रत्याग करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे सार्वजनिक शौचालयों की कमी की समस्या का समाधान होता है। दूसरी ओर, बीटोवेन.एआई अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का प्रयोग कर किफायती व अनुकूलनशील संगीत की रचना करता है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाली संगीत संरचनाएँ साधारण जनमानस के लिए सुलभ हो जाती हैं। ये उदाहरण इस तथ्य को उद्घाटित करते हैं कि भारत में नवाचार की परिधि अत्यंत विस्तृत है- सरल, संसाधनयुक्त विचारों से लेकर उन्नत प्रौद्योगिकी समाधानों तक, जो देश की विशिष्ट समस्याओं के समाधान हेतु अपरिहार्य सिद्ध हो रहें हैं।

एबी: आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क, वेंचर सेंटर और एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर जैसे अग्रणी इनक्यूबेटरों के साथ आपके अनुभव को देखते हुए, आपके विचार में किसी इनक्यूबेटर के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य प्रदत्तियाँ (डिलिवरेबल्स) क्या होनी चाहिए?

सएसः भारत में उच्च गुणवत्ता वाले इनक्यूबेटर अभी भी दुर्लभ हैं, हालांकि वर्षों से सरकार ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। एक उत्कृष्ट इनक्यूबेटर केवल सह-कार्यस्थल उपलब्ध कराने या सरकारी वित्तपोषण के प्रवाह तक ही सीमित नहीं होता है। यह तकनीकी स्टार्टअप्स के लिए आवश्यक प्रयोगशालाएँ, प्रोटोटाइपिंग सुविधाएँ जैसी महत्वपूर्ण अवसंरचना प्रदान करता है। इसके अलावा, प्रभावी मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण रूप से संलग्न होते है। यद्यपि कुछ इनक्यूबेटर, जैसे एसआईआईसी (SIIC), वेंचर सेंटर, और आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क, इन क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर चुके है। पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में उच्च-स्तरीय परामर्श की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने में अभी भी सुधार की आवश्यकता है।

एबी: इनक्यूबेटर किस प्रकार प्रत्येक स्टार्टअप्स के लिए स्केलेबल एवं उच्च-गुणवत्ता वाले परामर्श सुनिश्चित कर सकते हैं?

एसएसः परामर्श स्टार्टअप्स के लिए सफलता परम संक्षिप्त मार्ग है, ठीक वैसे ही जैसे छात्रों के लिए कुंजी- एक संक्षिप्त मार्गदर्शिका जो दशकों के अनुभव को व्यवहारिक सूझबूझ में समाहित करती है। एक उत्कृष्ट मार्गदर्शक अमूल्य निर्देशन प्रदान करता है, जिससे स्टार्टअप्स न केवल चुनौतियों का कुशलतापूर्वक सामना कर पाते है, बल्कि अपनी प्रगति को तीव्र गति प्रदान करते हुए महंगे और विनाशकारी त्रुटियों से भी बचते है।

हालाँकि, विभिन्न भारतीय स्टार्टअप्स प्रायः परामर्श को अपनाने में संकोच करते हैं, अक्सर इक्विटी को लेकर अत्यधिक अधिकारवादी होते हैं। यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि सही मार्गदर्शक के साथ हिस्सेदारी साझा करना किसी स्टार्टअप की क्षमता को गुणात्मक रूप से बढ़ा सकता है। 1000 करोड़ की कंपनी का 40% स्वामित्व, 10 करोड़ की कंपनी के 100% से कहीं अधिक फायदेमंद है। मार्गदर्शन को अपनाना वास्तव में विकास और सफलता में निवेश करने के समान है।

अंक 3 | संस्करण - 11 | नवंबर 2024

आगामी

अनुदान/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं

ऑपरेशन द्रोणागिरी

अंतिम तिथि: 20th दिसंबर 2024

LEARN MORE

एआईआईडीई- सीओई

अंतिम तिथि: 20th दिसंबर 2024

LEARN MORE

सिटी एसआईएल

अंतिम तिथि: 28th दिसंबर 2024

LEARN MORE

पारिस्थितिकी तंत्र
संवर्धक

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

HDFC BANK
ICICI Securities
Godrej
infoedge
CUGL Central U.P. Gas Limited
MCX Metal & Energy Trade with Trust
citi
CAPRI GLOBAL CAPITAL LIMITED
आरईसी REC
ETS-LINDGREN An ESCO Technologies Company
standard chartered
FORUM
NTT DATA
Ansys
DANA
GREEN GAS LIMITED
NATIONAL INFORMATICS CENTRE NICSI SERVICES INCORPORATED
SKODA | VOLKSWAGEN
Boehringer Ingelheim
SAFEXPRESS Distribution Redefined
PREMJI INVEST

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

DSIR
DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY Ministry of Science & Technology Government of India
Ministry of Electronics and Information Technology Government of India
Department of Science and Technology Ministry of Science and Technology Government of India
Ministry of Housing and Urban Affairs Government of India
बाइरैक birac Biotechnology Industry Research Assistance Council
NIDHI by DST Entrepreneur-in-Residence
START IN UP A Government of UP Initiative
icmr INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
iDEX Innovations for Defence Excellence
SIDAC
sidbi
MeitY Startup Hub
SBI

ज्ञान

futureskills prime A MeitY - NASSCOM Digital Skilling Initiative
DWIH New Delhi Land of Ideas

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्ध

PELTARION

उद्योग

FICCI
AiMED Encouraging Responsible Manufacturing Association of Indian Medical Device Industry

अंतर्राष्ट्रीय

iit STARTUPS
Singapore Indian Chamber of Commerce & Industry
MEET VENTURES
TORONTO BUSINESS DEVELOPMENT CENTRE

सेवा

aws
exotel
freshworks

क्लीनिकल

AIG HOSPITALS
Ruby Hall Clinic
NH Narayana Health Health for all. All for health.

अंक 3 | संस्करण - 11 | नवंबर 2024

नवंबर 2024

टेककी बात

IIT KANPUR

INCUBATION AND INNOVATION
IIT KANPUR

STARTUP
INCUBATION AND
INNOVATION
CENTRE
IIT KANPUR

www.siicincubator.com

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू आईआईटी
कानपुर कल्याणपुर, कानपुर उत्तर प्रदेश
208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच
सेंटर, ब्लॉक सी, सेक्टर 62, नोएडा